MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
फरवरी 2024

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज पुरस्कार समारोह वर्ष 2024

सर्वश्रेष्ठ इनपुट डीलर | **सर्वश्रेष्ठ कृषि स्टार्टअप** | **सर्वश्रेष्ठ कृषि फिल्में**

मैनेज पुरस्कार समारोह वर्ष 2024 का आयोजन दिनांक 22 फरवरी 2024 को मैनेज परिसर में किया गया था, ताकि तीन श्रेणियों में 95 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जा सकें, जिनमें देसी (इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित इनपुट डीलर, भारत सरकार की आरकेवीवाई-राफतार योजना के तहत कार्यक्रम पूरा करने वाले नवीन कृषि स्टार्टअप और कृषि फिल्मों के रचनात्मक निर्माता शामिल थे।

मुख्य अतिथि श्री फैज अहमद किदवई, आईएएस, अवर सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।

डेसी पुरस्कार वर्ष 2024 के तहत, मैनेज ने पाँच सर्वश्रेष्ठ इनपुट डीलरों, प्रत्येक राज्य में सर्वाधिक संख्या में देसी कार्यक्रम आयोजित करने वाले पंद्रह सर्वश्रेष्ठ फैसिलिटेटरों और देसी कार्यक्रम के तहत इनपुट डीलरों को सबसे अधिक प्रशिक्षित करने वाले चार शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों को सम्मानित किया।

कृषि स्टार्टअप पुरस्कार वर्ष 2024 के तहत, मैनेज ने राष्ट्रीय स्तर पर चार सर्वश्रेष्ठ कृषि-स्टार्टअप्स (जिसमें एक महिला कृषि स्टार्टअप शामिल है) और दस राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ कृषि-स्टार्टअप्स को पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही, आरकेवीवाई-राफ्ताार की कृषि उद्यमिता कार्यक्रम के तहत इनक्यूबेट और स्नातक करने वाले 30 कृषि स्टार्टअप्स को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कृषि फिल्म महोत्सव पुरस्कार-2023 के तहत, मैनेज ने 13 भारतीय भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को पुरस्कार वितरित किए, कृषि संस्थानों द्वारा निर्मित सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को 11 पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को शीर्ष 3 पुरस्कार प्रदान किया।

महानिदेशक का संदेश

पुरस्कारों और उपलब्धियों का जश्न

फरवरी 2024 का महीना मैनेज में पुरस्कारों और उपलब्धियों के जश्न का महीना रहा। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैनेज ने दिनांक 22 फरवरी, 2024 को मैनेज पुरस्कार समारोह-2024 में उत्कृष्ट कृषि फिल्मों, कृषि स्टार्टअप्स और इनपुट डीलरों को सम्मानित किया। इस समारोह में श्री फैज अहमद किदवई, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार ने शिरकत की और राष्ट्रीय, भाषा और संस्थागत स्तरों पर 27 कृषि फिल्मों, राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर 14 सर्वश्रेष्ठ कृषि स्टार्टअप्स, मैनेज से स्नातक हुईं 30 कृषि स्टार्टअप्स और देसी योजना के तहत 5 सर्वश्रेष्ठ देसी इनपुट डीलर, 15 सर्वश्रेष्ठ फैसिलिटेटर और 4 सर्वश्रेष्ठ राज्य एनटीआई को पुरस्कार वितरित किए। मैं मैनेज पुरस्कार समारोह -2024 के सभी विजेताओं को बधाई देता हूं।

हमें यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि मैनेज ने अपने पीजीडीएम (एबीएम) बैच वर्ष 2022-24 के लिए 100% प्लेसमेंट हासिल किया है। कंपनियों द्वारा दी गई सबसे अधिक सैलरी 20.00 लाख रुपये प्रति वर्ष, औसत सैलरी 12.33 लाख रुपये प्रति वर्ष और मध्यस्थ सैलरी 11.60 लाख रुपये प्रति वर्ष है। मैं सभी भर्तियों को मैनेज के शैक्षणिक पाठ्यक्रम और उसके छात्रों की क्षमता में उनके निरंतर सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद देता हूं। हम, मैनेज में, मैनेज पुरस्कार के सभी विजेताओं और पीजीडीएम (एबीएम) छात्रों को बधाई देते हैं जिन्होंने प्रतिष्ठित कृषि-व्यवसाय कंपनियों में अच्छी नौकरियां हासिल की हैं। हम सभी को शुभकामनाएं देते हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

इस अंक में...........

• मैनेज पुरस्कार समारोह वर्ष 2024	1,3&4
• महानिदेशक का संदेश	2
• कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	5,6&7
• मैनेज ने अपने कृषि-व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों के लिए 100% प्लेसमेंट हासिल किया	8
• प्रमाणित प्राकृतिक खेती सलाहकार कार्यक्रम	9
• प्राकृतिक खेती पर मास्टर प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन कार्यक्रम	9
• प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम	10
• कृषि विपणन और कटाई उपरांत प्रबंधन	10
• मिशन शक्ति के तहत कृषि में जेंडर बजटिंग	11
• कृषि में लिंग संवेदीकरण	11
• कृषि विस्तार में नई सीमाओं पर विकास कार्यक्रम	12
• व्यवहार परिवर्तन संचार पर कार्यशाला	12
• कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला: किसान उत्पादक कंपनी: उत्कृष्टता के लिए सफलता मानदंड	13
• कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला: कृषि सहकारी समितियों में चुनौतियां और अवसर	14
• मैनेज ने आईसीएआर-सीआईआरजी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया	15
• मैनेज और केवीके के बीच संबंधों को मजबूत करना	15
• जय जवान किसान कार्यक्रम: मैनेज ने पूर्व सैनिकों की सफलता का जश्न मनाया	16
• विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए वीडियो उत्पादन कौशल	16
• मैनेज की 28वीं अकादमिक समिति की बैठक आयोजित	17

मैनेज पुरस्कार समारोह 2024

मैनेज ने उत्कृष्ट कृषि फिल्मों, कृषि स्टार्टअप्स और इनपुट डीलरों को पुरस्कार प्रदान किया

कृषि स्टार्टअप पुरस्कार-2024 के विजेता

मुख्य अतिथि श्री फैज अहमद किदवई ने अपने संबोधन में कहा कि इनपुट डीलर किसानों और कृषि प्रौद्योगिकियों के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्होंने देसी कार्यक्रम के माध्यम से देश में 3 लाख से अधिक इनपुट डीलरों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें किसानों और युवा उद्यमियों के लाभ के लिए उचित सलाह, तकनीकी सहायता, निवेश और नीति वकालत के माध्यम से कृषि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

कृषि विस्तार के क्षेत्र में वीडियो के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने मैनेज कृषि फिल्म महोत्सव की सराहना की, जो सभी उपयोगी कृषि फिल्मों को सभी के उपयोग के लिए एक मंच पर लाता है और क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर अधिक फिल्में बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने कृषि स्टार्टअप पुरस्कार विजेताओं और इनक्यूबेशन कार्यक्रम के तहत स्नातक करने वाले सफल उम्मीदवारों की नवीन परियोजनाओं की बारे में जानकारी दी।

देसी पुरस्कार-2024 के विजेता

मैनेज पुरस्कार समारोह वर्ष 2024

मैनेज ने उत्कृष्ट कृषि फिल्मों, कृषि स्टार्टअप्स और इनपुट डीलरों को पुरस्कार प्रदान किया

कृषि फिल्म महोत्सव-2023 के विजेता

डॉ. के. आनंद रेड्डी, समन्वयक, पीजीडीएम (एबीएम), मैनेज ने देसी कार्यक्रमों की प्रगति प्रस्तुत की और देसी पुरस्कार विजेताओं के बारे में जानकारी दी।

इस समारोह में 200 से अधिक प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें सरकारी संगठनों, अनुसंधान संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संस्थानों, केवीके, समेति , गैर सरकारी संगठनों, मीडिया घरानों, कृषि स्टार्टअप्स, कृषि उद्यमियों, एफपीओ, सहकारी समितियों, कृषि छात्रों, मीडिया पेशेवरों और मैनेज संकाय सदस्यों के विजेता शामिल थे।

डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज, ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

“ऑन व्हील्स हेल्दी स्टोर” का शुभारंभ

मैनेज पुरस्कार समारोह वर्ष 2024, दिनांक 22 फरवरी, 2024, के अवसर पर, श्री फैज अहमद किदवई, आईएएस, अवर सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने प्राचीन खाद्य पदार्थों द्वारा "ऑन व्हील्स हेल्दी स्टोर" का उद्घाटन किया - महिला मिलेट उद्यमी श्रीमती लक्ष्मी हरिता भवानी द्वारा शुरू किया गया एक नवीन व्यवसाय मॉडल - जिसका उद्देश्य हर उपभोक्ता के दरवाजे तक स्वस्थ और रसायन मुक्त खाद्य उत्पादों की पहुँच बनाना है। श्रीमती लक्ष्मी हरिता भवानी भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद की प्रमाणित इनक्यूबेटी हैं। प्राचीन खाद्य पदार्थों को हाल ही में आईसीएआर-आईआईएमआर द्वारा भारत में शीर्ष 100 "प्रेरक और सफल स्टार्टअप" में से एक के रूप में मान्यता दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा

मैनेज ने अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी), अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) और हार्वेस्टप्लस के सहयोग से दिनांक 1 फरवरी, 2024 को "कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से खाद्य और पोषण सुरक्षा" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, विस्तार पेशेवरों, अनुसंधान विद्वानों और विशेषज्ञों सहित शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करने वाले 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. पी. चंद्रा. शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. विक्टर अफारी-सेफा, उप महानिदेशक, अनुसंधान, आईसीआरआईएसएटी, डॉ. जोना केन-पोटाका, उप महानिदेशक, आईआरआरआई, डॉ. समरेंदु मोहंती, एशिया क्षेत्रीय निदेशक, सीआईपी, डॉ. बीनू चेरियन, कंट्री मैनेजर, हार्वेस्ट प्लस और डॉ. विनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडीज), मैनेज ने किया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा

उद्घाटन भाषण के दौरान, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा लक्ष्य नहीं बल्कि आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नीतियों को डिजाइन करना और उन्हें लागू करना प्रत्येक की जिम्मेदारी है। उन्होंने उल्लेख किया कि मैनेज अपने कृषि विस्तार कार्यक्रमों और इनपुट डीलरों, कृषि उद्यमियों को एसी एवं एबीसी, आरकेवीवाई-रफ्तार और डिजिटल कृषि योजनाओं के तहत प्रशिक्षण देने जैसी योजनाओं में खाद्य और पोषण सुरक्षा पहलों को मुख्यधारा में ला रहा है।

डॉ. जोना केन-पोटाका ने कहा कि हम सीमाओं में बांधकर कार्य नहीं कर सकते और हमें खाद्य और पोषण सुरक्षा को संबोधित करने के लिए अपनी विशेषज्ञता को एकीकृत करने की आवश्यकता है।

उन्होंने आईआरआरआई में चावल पर चल रहे सफल शोध पर प्रकाश डाला और किसानों के स्तर पर परिवर्तनकारी बदलाव सुनिश्चित करने के लिए अधिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. बीनू चेरियन ने बायोफोर्टिफाइड फसलों के महत्व और हार्वेस्टप्लस में चल रहे शोध को साझा किया और बायोफोर्टिफाइड फसलों को बढ़ावा देने के लिए मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. समरेंदु मोहंती ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, मृदा स्वास्थ्य, जल प्रबंधन और पोषण सुरक्षा जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से ही खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना संभव है। डॉ. विक्टर अफ़ारी-सेफ़ा ने डेटा-आधारित खेती के साथ-साथ टिकाऊ खाद्य प्रणालियों और बेहतर बीज प्रणालियों के माध्यम से खाद्य और पोषण सुरक्षा को संबोधित करने के लिए मिल-जुल कर कार्य करने की अनिवार्यता पर चर्चा की।

महिला कृषि उद्यमियों की प्रदर्शनी

मैनेज ने राष्ट्रीय स्तर की महिला कृषि उद्यमी प्रदर्शनी-2024 का भी आयोजन किया, जिसमें भारत के 10 राज्यों से 25 महिला कृषि उद्यमी शामिल हुईं। इस प्रदर्शनी में विविध प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शनी में बाजरा, शहद, नारियल, मशरूम, फल और मसालों के विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

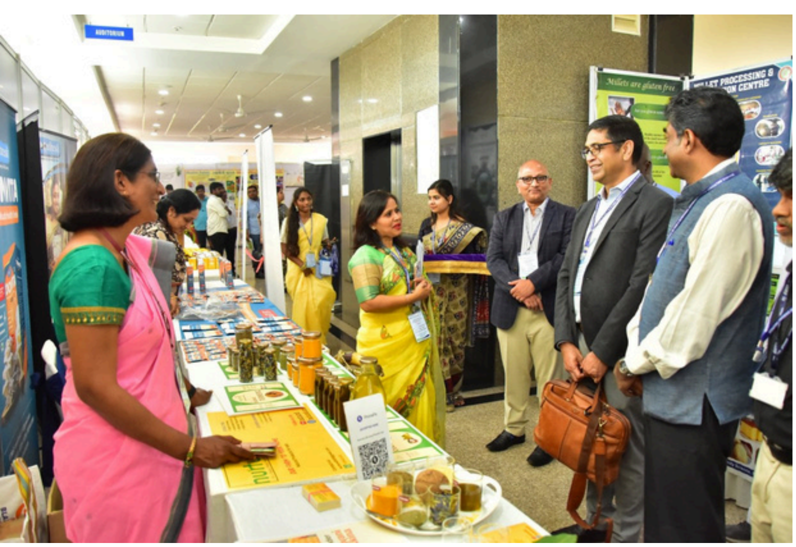

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा

सम्मेलन के भाग के रूप में, सात महत्वपूर्ण विषयों के तहत 90 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। "वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि पारिस्थितिकी प्रणालियों की खोज" और "लिंग और खाद्य सुरक्षा का चौराहा" विषयों पर पैनल चर्चाएँ आयोजित की गईं, जहाँ प्रतिष्ठित पैनलिस्टों ने अपने विचार साझा किए और फलदायक चर्चाएँ उत्पन्न कीं। यह सम्मेलन वैश्विक समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए ज्ञान साझा करने, नवीन समाधानों पर चर्चा करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

समापन सत्र के दौरान, मुख्य अतिथि डॉ. जी नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडी एण्ड पीआर ने जलवायु परिवर्तन जैसी समकालीन चुनौतियों के संदर्भ में खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं के अनिवार्य पहलुओं को संबोधित किया। उन्होंने खाद्य प्रणाली में जलवायु-शमन उत्पादन प्रणालियों, कुशल वितरण चैनलों की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने एक स्थायी और लचीली खाद्य प्रणाली सुनिश्चित करने में निहित जटिलताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर एक व्यापक समझ विकसित करने की अनिवार्य आवश्यकता को रेखांकित किया।

डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडी एंड पीआर ने सम्मेलन में महिला कृषि उद्यमी मुख्य वक्ताओं और सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुतकर्ताओं को प्रमाण पत्र वितरित किया।

कृषि पेशेवरों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए डीजी-मैनेज द्वारा एक यादगार बोनफायर नेटवर्क डिनर का आयोजन किया गया।

डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडिज), मैनेज ने सम्मेलन का समन्वयन किया।

मैनेज ने अपने कृषि-व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों के लिए 100% प्लेसमेंट हासिल किया

मैनेज ने दिनांक 08 फरवरी, 2024 को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (कृषि व्यवसाय प्रबंधन)-पीजीडीएम (एबीएम) के 27वें बैच में अपने कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्रों के लिए 100% प्लेसमेंट हासिल किया।

पिछले दो दशकों से 100% प्लेसमेंट के अपने उल्लेखनीय उत्कृष्ट रिकॉर्ड को जारी रखते हुए, मैनेज एक बार फिर कृषि-व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के शिखर के रूप में उभरा है। कंपनियों द्वारा दिया जाने वाला उच्चतम वेतन 20.00 एलपीए, औसत वेतन: 12.33 LPA और मध्यतम वेतन: 11.60 LPA हैं।

गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) सबसे अधिक भुगतान करने वाली भर्तीकर्ता है और अन्य प्रमुख कृषि व्यवसाय भर्तीकर्ताओं में आईटीसी (एफबीडी), ओलाम और ईवाई इंडिया, ड्रूल्स के साथ-साथ एडवांटा, बीएएसएफ, कोरोमंडल, पीआई इंडस्ट्रीज, प्रसाद सीड्स, सिकोइया बायोसाइंसेज जैसी कृषि-इनपुट कंपनियां शामिल हैं; पशु पोषण क्षेत्र की कंपनियां जैसे डेहियस इंडिया, केमिन, न्यूट्रेको, और परामर्श और बाजार अनुसंधान क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां जैसे ईवाई, क्रिसिल, केपीएमजी ने मैनेज छात्रों को प्रस्ताव दिया।

इसके अतिरिक्त, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के भर्तीकर्ताओं जैसे आईडीएफसी फर्स्ट भारत, मिडलैंड माइक्रोफाइनेंस, सर्वग्राम फिनकेयर, स्पंदन स्फूर्ति, इंडसइंड बैंक, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक और संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न अन्य भर्तीकर्ताओं ने भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले छात्रों का क्षेत्रवार प्रतिशत: बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई): 31.75%, कृषि-इनपुट: 30.16%, पशु पोषण: 14.29%, परामर्श: 9.52%, खरीद: 6.35%, एफएमसीजी: 4.76%, कमोडिटी ट्रेडिंग: 1.59%, और विकास: 1.59% हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने प्लेसमेंट कमेटी, पूर्व छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि को हासिल करने में उनके ठोस प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने मैनेज के शैक्षणिक पाठ्यक्रम और इसके छात्रों की क्षमता में उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए सभी भर्तीकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

प्रमाणित प्राकृतिक खेती सलाहकार कार्यक्रम

मैनेज्ड ने दिनांक 12 से 26 फरवरी, 2024 को प्रमाणित प्राकृतिक खेती सलाहकार कार्यक्रम, मॉड्यूल II का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में कुल 22 कृषि पेशेवरों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमाणित प्राकृतिक खेती सलाहकार विकसित करना था जो किसानों, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार या अन्य लोगों को प्राकृतिक खेती पर विशेषज्ञ विस्तार सेवाएँ प्रदान कर सकें।

मॉड्यूल-II में प्राकृतिक खेती की अवधारणा, सिद्धांत, शब्दावली और घटक, प्राकृतिक खेती में जैव-इनपुट की तैयारी और उपयोग, जल, कीट और रोग प्रबंधन, स्थानीय भूमि प्रजातियों का उपयोग, वीडियो मध्यस्थता विस्तार,सोशल मीडिया का उपयोग और प्राकृतिक खेती के लिए कृषि पारिस्थितिकी शामिल है। डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए और सीसीए), मैनेज ने इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया।

प्राकृतिक खेती पर मास्टर प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन कार्यक्रम

मैनेज ने मास्टर प्रशिक्षकों के लिए दो दिवसीय ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया, जो दिनांक 9 से 10 फरवरी, 2024 को कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण देंगे।

इस प्रशिक्षण में पूरे भारत से 170 से अधिक मास्टर ट्रेनर शामिल हुए। इसका उद्देश्य देश भर में 70,000 कृषि सखियों तक पहुंचना है। कृषि सखी की भूमिका ग्राम पंचायत स्तर पर किसानों के मित्र के रूप में देखी गई है, जिसके पास प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर सलाह देने और प्राकृतिक खेती के उभरते क्षेत्रों में क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक जानकारी, कौशल और क्षमताएं हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि मैनेज प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षकों का एक समूह बनाकर कृषि सखियों को कुशल पैरा-विस्तार कार्यकर्ताओं के रूप में सशक्त बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कृषि सखियों के ज्ञान में सुधार किया जाएगा, उनका मूल्यांकन किया जाएगा और सबसे सक्षम लोगों को जमीनी स्तर पर कृषि और किसान कल्याण कार्यक्रम को लागू करने के लिए कार्य सौंपे जाएंगे।

इस कार्यक्रम के दौरान, डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए एंड सीसीए) मैनेज ने 170 से अधिक प्रशिक्षकों को कृषि सखियों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की विस्तृत प्रक्रिया बताई। उन्होंने कहा कि इन प्रशिक्षकों को मैनेज में प्राकृतिक खेती टीम द्वारा प्राकृतिक खेती पर तकनीकी कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

टीम लीडर डॉ. ईश्वर पूजार ने कार्यक्रम का समन्वयन किया तथा प्राकृतिक खेती परियोजना के टीम सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित हए।

प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन दौरा कार्यक्रम

मैनेज ने मास्टर ट्रेनर्स के लिए "प्राकृतिक खेती" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण-सह-एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम आयोजित किया, जो पूरे भारत में कृषि सखियों को प्रशिक्षित करेंगे। यह कार्यक्रम दिनांक 26 फरवरी से दिनांक 01 मार्च, 2024 तक चलेगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न केवीके के कुल 31 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट और रोग प्रबंधन, प्राकृतिक खेती में पशुधन का एकीकरण, फसल और फसल प्रणाली, स्थानीय बीज प्रणाली और रोपण सामग्री आदि सहित प्राकृतिक खेती के वैचारिक ज्ञान पर चर्चा हुई।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने प्रशिक्षुओं को किसानों को सरल भाषा में विज्ञान संप्रेषित करने के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती सिखाने के लिए सामग्री के समरूपीकरण के लिए मैनेज द्वारा किए गए प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने मास्टर प्रशिक्षकों से प्राकृतिक खेती पर जन जागरूकता पैदा करने, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति, आदर्श किसान और आदर्श गाँव विकसित करने को कहा।

कृषि विपणन और कटाई उपरांत प्रबंधन

मैनेज ने दिनांक 12 से 16 फरवरी, 2024 को कृषि विपणन और कटाई उपरांत प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर सरकार के ग्रेडिंग और पैकेजिंग, विपणन और बागवानी विभागों के सत्रह अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में कृषि विपणन, सॉफ्ट स्किल्स, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर जोर दिया गया, खासकर उन फसलों के लिए जो जम्मू और कश्मीर में महत्वपूर्ण हैं। इस कार्यक्रम में सैम एग्री टेक लिमिटेड और येलो एंड ग्रीन्स एग्री फ्रेश प्राइवेट लिमिटेड के क्षेत्रीय दौरे शामिल थे।

इस कार्यक्रम में मूल्य श्रृंखला प्रबंधन, एचएसीसीपी, आईएसओ और एगमार्क जैसे गुणवत्ता मानकों और बागवानी उत्पादों के टिकाऊ संचालन/भंडारण जैसी प्रथाओं को भी शामिल किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने नासिक स्थित ‘सह्याद्री’ एफपीओ कंपनी की सफलता पर प्रकाश डाला और खेती के मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करने के लिए किसानों के एकत्रीकरण, समूह खेती और समरूप किसान समूहों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फसल कटाई के बाद प्रबंधन श्रृंखला विकसित करने के लिए, हमें सहकारी समितियों और एफपीओ को अपनी खुद की कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

डॉ. शैलेन्द्र, निदेशक (कृषि विपणन), मैनेज इस कार्यक्रम के निदेशक हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

मिशन शक्ति के तहत कृषि में जेंडर बजटिंग

मैनेज ने दिनांक 27 से 29 फरवरी, 2024 को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के 'मिशन शक्ति' के तहत 'जेंडर बजटिंग' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में बिहार, सिक्किम, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे दस विभिन्न राज्यों के कुल 36 कृषि अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस कार्यक्रम में लैंगिक अवधारणाएं और रूढ़ियां, लैंगिक बजट, भारत में लैंगिक बजट का अवलोकन और कृषि में महिला सशक्तिकरण, विश्लेषणात्मक ढांचे सहित, लैंगिक जांच सूचियों के माध्यम से लैंगिक मुद्दों की पहचान और बजट आवंटन में लैंगिकता को एकीकृत करने पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने महिलाओं के मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रमाणित लिंग सलाहकार प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कृषि में महिलाओं के छिपे हुए योगदान पर प्रकाश डाला और महिलाओं के लिए नेतृत्व विकास, यांत्रिक विशेषज्ञता योजना, आय सृजन प्रशिक्षण, एफपीओ में एक जिम्मेदार भूमिका और खाद्य मूल्य श्रृंखला निर्णयों में भागीदारी का प्रस्ताव रखा।

श्री मनीष भाटिया, निदेशक, एनजीआरसीए, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने उद्घाटन भाषण देते हुए समावेशी विकास के लिए कृषि में जेंडर बजटिंग के महत्व को समझाया। डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडिज), मैनेज ने कार्यक्रम का निर्देशन किया।

कृषि में लिंग संवेदीकरण

मैनेज ने दिनांक 5 से 7 फरवरी, 2024 को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की 'मिशन शक्ति' योजना के तहत "कृषि में लैंगिक संवेदनशीलता" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में 10 अलग-अलग राज्यों, अर्थात् आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड, सिक्किम, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना और पंजाब से कुल 20 कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने लिंग विश्लेषण उपकरणों का उपयोग करने, लिंग-विभाजित डेटा के साथ काम करने और सरकारी नीतियों के अनुसार लिंग संबंधी विचारों को एकीकृत करने के लिए लिंग बजट और लेखा परीक्षा को लागू करने के कौशल को हासिल किया।

उद्घाटन समारोह में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि लैंगिक मुद्दों के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बदलने के लिए लैंगिक संवेदनशीलता उत्पन्न करना महत्वपूर्ण है। खाद्य सुरक्षा में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन उत्पादन, प्रसंस्करण, कटाई के बाद की तकनीक और व्यवसाय प्रबंधन में कौशल की कमी है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर जोर दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए कुदुम्बश्री और अमूल जैसे सफल मॉडलों का उल्लेख किया। मैनेज की डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडीज) ने कार्यक्रम का निर्देशन किया।

संकाय विकास कार्यक्रम

कृषि विस्तार में नई सीमाएं

मैनेज ने कृषि विस्तार और परामर्श सेवाओं को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए विश्वविद्यालयों के सहयोग से दिनांक 26 फरवरी से दिनांक 01 मार्च, 2024 तक कृषि विस्तार में नई सीमाओं पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्रों के सहायक, एसोसिएट प्रोफेसरों और अधिकारियों सहित कुल 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विस्तार अनुसंधान, अभ्यास और नीति में नवीनतम रुझानों से परिचित कराना था, साथ ही विस्तार शिक्षण और प्रशिक्षण में इन प्रगति को एकीकृत करने के लिए प्रभावी रणनीतियों की खोज करना था।

इस कार्यक्रम का मुख्य विषय कृषि विस्तार नवाचार, कृषि विस्तार के लिए नई क्षमताएं, नीतिगत सहभागिता, कृषि उद्यमिता और पारिस्थितिकी कृषि था। डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया।

कार्यशाला: प्राकृतिक खेती को आसानी से कैसे संप्रेषित करें

मैनेज ने दिनांक 26 फरवरी, 2024 को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्टिवर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित व्यवहार परिवर्तन संचार उपकरणों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मैनेज के प्राकृतिक खेती टीम और 22 कृषि पेशेवरों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य दिलचस्प खेलों, रोल प्ले, कहानी सुनाने, नाटक और अन्य सांस्कृतिक प्रारूपों के माध्यम से प्राकृतिक खेती के सामाजिक और वैज्ञानिक आयामों की जटिलता को सरल बनाने वाले संचार उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करना है।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा, "किसानों के किसी भी व्यवहार को बदलने से पहले, प्रशिक्षकों को प्राकृतिक खेती के बारे में किसानों की मानसिकता बदलनी चाहिए।" उन्होंने प्रशिक्षकों से आग्रह किया कि वे जानकारी को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए गीत, नाटक या सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे विविध तरीकों का उपयोग करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसान प्राकृतिक खेती की अवधारणाओं को समझें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के विज्ञान को किसानों के लिए इतना सरल बनाया जाए कि प्रशिक्षक किसानों के सवालों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट करें।

इस कार्यशाला में प्राकृतिक खेती की अवधारणाओं को समझाने वाले साँप-सीढ़ी के खेल का एक रोचक प्रदर्शन आयोजित किया गया। डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसएएंडसीसीए), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान शृंखला : व्याख्यान संख्या 28:
श्री विलास शिंदे, सीएमडी, सह्याद्री किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड द्वारा
‘किसान उत्पादक कंपनी: उत्कृष्टता के लिए सफलता मानदंड’ पर व्याख्यान

श्री विलास शिंदे, सीएमडी, सह्याद्री फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने दिनांक 06 फरवरी, 2024 को मैनेज में “किसान उत्पादक कंपनी: उत्कृष्टता के लिए सफलता मानदंड” विषय पर 28वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला (केजीकेएलएस) के तहत भाषण दिया।

अपने व्याख्यान में, श्री विलास शिंदे ने सफल एफपीओ चलाने के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र, प्रतिबद्धता, नेतृत्व और प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में लाभ सुनिश्चित करने के लिए, एफपीओ के पास एक मजबूत मूल्य श्रृंखला, स्पष्ट दृष्टि, उच्च मूल्य वाली फसल उत्पादन योजना और वैश्विक दृष्टिकोण होना चाहिए।

उन्होंने सफल एफपीओ के लिए मुख्य मानदंड रेखांकित किए, जिसमें कमोडिटी, क्लस्टर-विशिष्ट दृष्टिकोण, उद्यमशीलता की मानसिकता, सामूहिक जिम्मेदारी और प्रौद्योगिकी अपनाने पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी की मदद से हम कम से कम निवेश के साथ लागत प्रभावी रणनीति के माध्यम से उत्पाद के लिए ब्रांड पहचान बना सकते हैं। उन्होंने अमूल की सफलता की कहानी का उदाहरण दिया और चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यक्तिगत से सामूहिक कृषि में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने भारत की सबसे बड़ी एकीकृत फल और सब्जी मूल्य श्रृंखला एफपीओ की स्थापना में श्री विलास शिंदे के समर्पण और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे अनुभवी व्यक्तित्वों की अंतर्दृष्टि विस्तार कार्यकर्ताओं और किसानों को अपनी रणनीतियों को परिष्कृत करने में सहायता करती है।

डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

पूरा वीडियो देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

https://www.youtube.com/watch?

v=Fp_DkQmowAg

कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान शृंखला : व्याख्यान संख्या 29:

डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडी एंड पीआर द्वारा 'कृषि सहकारिता में चुनौतियां और अवसर' पर व्याख्यान

डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक, एनआईआरडी एंड पीआर दिनांक ने 7 फरवरी, 2024 को मैनेज में "ग्रामीण विकास और कृषि के लिए अभिसरण अवसर" विषय पर 29वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला (केजीकेएलएस) पर भाषण दिया।

डॉ. जी. नरेंद्र कुमार ने अभिसरण की अवधारणा पर बहुत ही स्पष्ट रूप से प्रकाश डाला, तथा अवधारणात्मक तरीके से सूक्ष्म जानकारी प्रदान की। उन्होंने ग्रामीण विकास के दृष्टिकोण से विकास और वृद्धि को स्पष्ट किया तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अवसरों को बढ़ाने के लिए परिसंपत्तियों के समान वितरण की आवश्यकता पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण निवासियों को अपनी आय को शहरों में लगाने के बजाय वापस ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश करना चाहिए।

उन्होंने लघु डेयरी इकाई विकास, कृषि के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना के माध्यम से प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन सहित स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए कुछ अभिसरण का सुझाव दिया। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि डीडीयू-जीकेवाई योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण के साथ कोल्ड स्टोरेज सुविधा जैसे कृषि आधारित उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। उनका संदेश ग्रामीण चुनौतियों के लिए स्वदेशी समाधानों पर निर्भरता और विदेशी सहायता को दूर रखना है।

अपने समापन भाषण में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि खतरनाक पलायन को रोकने के लिए हमें ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी वातावरण और सुविधाएं बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस व्याख्यान में मैनेज के संकाय, कर्मचारी, सलाहकार और जय जवान किसान कार्यक्रम के सैनिक शामिल हुए।

डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

पूरा वीडियो देखने के लिए कृपया इस लिंक पर जाए। https://www.youtube.com/playlist?list=PLKdGSMvJOxVoJWCJUjqmWhRhw2_T_F9Hs

मैनेज ने आईसीएआर-केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

बकरी पालन को मजबूत करने, विस्तार और रोजगार सृजन के लिए मैनेज ने आईसीएआर-केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम, फराह, मथुरा, उत्तर प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और डॉ. मनीष कुमार चटली, निदेशक, आईसीएआर-सीआईआरजी ने दिनांक 12 फरवरी, 2024 को मैनेज में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल विकास, विस्तार कार्यक्रम, उद्यमिता विकास और बकरी पालन में मानव संसाधन को सशक्त बनाने के लिए मैनेज और आईसीएआर-सीआईआरजी के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है, ताकि आजीविका और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

महानिदेशक, मैनेज, निदेशक, आईसीएआर-सीआईआरजी और मैनेज संकाय ने चल रहे प्रमाणित बकरी सलाहकार कार्यक्रम, पशु चिकित्सा विस्तार पर सहयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम और एसी और एबीसी योजना के तहत बकरी पालन पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया।

मैनेज और केवीके के बीच संबंधों को मजबूत करना

चल रहे कौशल और कृषि उद्यमिता विकास कार्यक्रम में मैनेज और केवीके के बीच सहयोग अवसरों का पता लगाने के लिए डॉ. शेख. एन. मीरा, निदेशक, आईसीएआर- एटीएआरआई, जॉन-एक्स, हैदराबाद और उनकी टीम ने दिनांक 13 फरवरी, 2024 को मैनेज का दौरा किया और डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज के संकाय सदस्यों के साथ मुलाकात की।

सहयोग के लिए क्षेत्र की पहचान करने के लिए विचार-विमर्श के पश्चात विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गई। सहयोग के क्षेत्रों में कृषि उद्यमिता और परियोजना तैयारी पर केवीके वैज्ञानिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम, डिजिटल कृषि, प्राकृतिक खेती, और कृषि में मौजूदा मुद्दों पर त्वरित सर्वेक्षण और संयुक्त प्रकाशन शामिल है।

इस बात पर गहन चर्चा हुई कि कैसे मैनेज और केवीके प्रणाली कृषि स्टार्टअप, एफपीओ, कृषि उद्यमिता विकास, विस्तार में पीपीपी को बढ़ावा देने और एटीएमए को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

जय जवान किसान कार्यक्रम

मैनेज ने पूर्व सैनिकों की सफलता का जश्न मनाया

नाबार्ड द्वारा समर्थित जय जवान किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मैनेज द्वारा प्रशिक्षित पूर्व सैनिकों ने दिनांक 14 फरवरी, 2024 को हैदराबाद में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसएएंडसीसीए), मैनेज, डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईआईएमआर और अन्य अतिथियों की शुभ उपस्थिति में "जय जवान किसान-फार्म 2 किचन" मिलेट आधारित प्रीमियम प्राकृतिक खेती उत्पाद स्टोर का शुभारंभ किया।

इस स्टोर का नेतृत्व सैनीखेतीहार एंटर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है, जो हैदराबाद में मिलेट खुदरा दुकानों को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना के 11 पूर्व सैनिकों द्वारा स्थापित एक उद्यम है। इस उद्यम ने एफपीओ से सीधे रसायन मुक्त बाजरा और अन्य कृषि उत्पादों की खरीद और उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्राकृतिक कृषि उत्पादों की आपूर्ति करने का एक बहुत ही नवीन व्यवसाय मॉडल अपनाया है।

यह आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी किसानों से प्राकृतिक रूप से उगाए गए बाजरे का स्रोत है, और आदिवासी किसानों को बाजार से जोड़ता है तथा बेहतर फार्म गेट मूल्य प्राप्त करता है। उद्यम का लक्ष्य हैदराबाद के विभिन्न स्थानों में अपने खुदरा दुकानों का विस्तार करना है, और निकट भविष्य में इसे पूरे भारत में विस्तारित करना है।

विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए वीडियो उत्पादन कौशल

मैनेज और तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) ने दिनांक 13 से 17 फरवरी, 2024 को "विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए वीडियो उत्पादन कौशल" पर 5 दिवसीय सहयोगी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

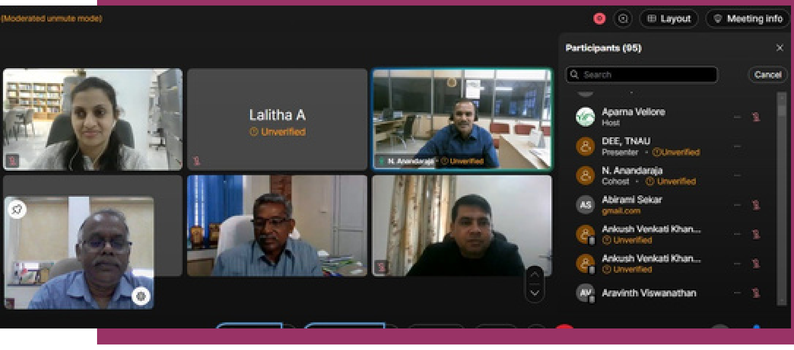

इसमें स्क्रिप्ट बनाना, शूटिंग, संपादन, वीडियो बनाने के लिए मोबाइल का उपयोग कैसे करें, सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करना, कृषि मीडिया उद्यमिता और विपणन की खोज जैसे विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम व्यावहारिक सुझावों और तकनीकों पर केंद्रित था।

डॉ. ए. श्रीनिवासाचार्युलु, उप निदेशक (केएम), मैनेज और प्रो. आनंदराजा, प्रोफेसर और प्रमुख (प्रशिक्षण प्रभाग), डीओईई, टीएनएयू ने कार्यक्रम का समन्वय किया। डॉ. पी.पी. मुरुगन, निदेशक-डीओईई, टीएनएयू ने इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में काम किया। श्रीमती अपर्णा, मैनेज फेलो ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

मैनेज की 28वीं अकादमिक समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

मैनेज की अकादमिक समिति की 28वीं बैठक दिनांक 28 फरवरी, 2024 को मैनेज में आयोजित की गई।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और अध्यक्ष, मैनेज अकादमिक समिति ने बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, आईआईटी बॉम्बे, एक्सएलआरआई-जमशेदपुर, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई, ईईआई हैदराबाद और मैनेज संकाय के सदस्यों ने भाग लिया।

इस बैठक में 27वीं अकादमिक समिति की बैठक की कार्रवाई रिपोर्ट की समीक्षा की गई, वर्ष 2023-24 की गतिविधियों की समीक्षा की गई और वर्ष 2024-25 के लिए 441 प्रशिक्षण कार्यक्रमों और 6 शोध अध्ययनों को मंजूरी दी गई।

सदस्यों ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता और क्रियान्वयन में सुधार, एटीएमए को मजबूत करने, स्कूली छात्रों के लिए कृषि शिक्षा, संकाय कायाकल्प कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने, परामर्श गतिविधियों में वृद्धि करने, विस्तार कार्यक्रमों में मत्स्य पालन और लिंग को मुख्यधारा में लाने तथा पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण और संयुक्त अनुसंधान के लिए मैनेज के साथ सहयोग करने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिया।

डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज ने बैठक के लिए सदस्य सचिव के रूप में कार्य किया।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

सहायक संपादक
कृष्णा दाभोलकर
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज

हिन्दी अनुवाद
सुश्री पुजा दास
वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज